मेरे दोस्त ने मेरी कुंवारी बेटी को चोदा- 2

“मेरी बेटी की चुत की कहानी में पढ़ें कि कैसे मैंने अपने घर में अपने दोस्त से अपनी सगी बेटी की चुदाई होती देखी. अंदर मैंने क्या नजारा देखा … आप भी जानें। …”

Story By: (pradip4)
Posted: Wednesday, March 31st, 2021
Categories: जवान लड़की
Online version: मेरे दोस्त ने मेरी कुंवारी बेटी को चोदा- 2

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मेरे दोस्त ने मेरी कुंवारी बेटी को चोदा- 2

मेरी बेटी की चुत की कहानी में पढ़ें कि कैसे मैंने अपने घर में अपने दोस्त से अपनी सगी बेटी की चुदाई होती देखी. अंदर मैंने क्या नजारा देखा … आप भी जानें।

दोस्तो, कैसे हो सब ? मैं आपको अपनी पैसे की मजबूरी में हुई घटना के बारे में बता रहा था. मेरी बेटी की चुत की कहानी के पहले भाग
मेरा दोस्त मेरी बेटी की चूत का प्यासा
में अब तक आप पढ़े चुके थे कि मेरे ठरकी दोस्त सुरेश ने पैसे उधारी देने के बदले में मेरी बेटी की चूत मांग ली थी.

हम पति पत्नी के पास कोई और रास्ता नहीं था और हमने सुरेश को घर बुलाकर अपनी बेटी सोनी को उसके साथ सुला दिया. बीवी के सोने के बाद मैं अपनी बेटी की चुदाई देखने लगा.

सुरेश ने मेरी बेटी की कच्छी खींचकर निकाल दी थी और वो अब किसी भी वक्त मेरी बेटी की चूत में लंड डालने ही वाला था. मैं ये सब उनके रूम के दरवाजे के बाहर खड़ा हुआ देख रहा था और अपने लंड को सहला रहा था.

अब आगे मेरी बेटी की चुत की कहानी :

धीरे धीरे सुरेश ने सोनी को इतना गर्म कर दिया कि उसे कुछ पता ही नहीं चल रहा था कि सुरेश क्या करने वाला है उसके साथ ?
सुरेश ने धीरे से सोनी की गांड अपनी छाती की तरफ घुमाई और सोनी का सिर सुरेश के पेट की तरफ हो गया।

असफल रही. फिर भी जैसे ही उसने लंड को देखा उसने एक लम्बी गहरी साँस लेकर आअह ... कहा.
उसे इसकी उम्मीद नहीं थी कि सुरेश अंकल के पास ऐसा भारी भरकम सामान होगा।

खैर सोनी इतनी गर्म हो गयी कि मुझे भी अंदाजा नहीं लगा कि वो अपना मुंह खोल कर उसके लंड को मुंह में लेने की कोशिश करेगी !

सोनी की आँखें आनंद में बंद थीं और वो सुरेश के लौड़े का गुलाबी टोपा चूसने के लिए जैसे मरी जा रही थी.
वो बार बार टोपे को चूसकर मजा ले रही थी.
जब उसके लंड का टोपा मेरी बेटी के कोमल से मुंह में जाता तो उसके गाल फूलकर गुब्बारा हो जाते थे.

वो अपनी मुट्ठी में टोपे को लेकर चूस रही थी और फिर पूरे लंड पर नीचे से ऊपर हाथ फिराकर उसको महसूस करने की कोशिश कर रही थी.
अपनी बेटी की लंड के लिये तड़प देखकर मैं भी हैरान था.

सोनी की जुल्फें सुरेश की जांघों पर बिखर गयी थीं.
उधर साला सुरेश अपने नाक और मुंह से उसकी जवानी की खुदाई करने में लगा हुआ था.
साला ऐसे सोनी की चूत चाट रहा था जैसे पता नहीं उसमें से शहद निकल रहा हो।

फिर अचानक कुछ ऐसा हुआ कि मैं भी हैरान रह गया.
सोनी ने अपने चूतड़ ऊपर उठाये और सुरेश के मुंह पर मूतना शुरू कर दिया.
उसने तीन बार तेज तेज धार मारी और फिर ढीली हो गयी.

सुरेश ने अपना मुंह खोल रखा था. उसे सोनी का मूत पीते देख कर मुझे बेहद आश्चर्य

हुआ.
सोनी भी उसके लंड से खेल रही थी.

तभी सुरेश ने सोनी को नीचे बेड पर लिटा दिया और खुद अपने आप उसके ऊपर सवार हो गया.

उसके भारी बदन के नीचे मेरी बेटी जैसे दब सी गयी थी. पता नहीं सोनी उसके बदन का भार कैसे सहन कर रही थी जबकि वो बहुत नाजुक कली की तरह थी।

सुरेश ने अब अपनी बनियान भी उतार दी और सोनी की स्कर्ट भी। सुरेश का बदन सांवला था और काफी गठीला था. उसकी हाइट करीब 5 फीट और 10 इंच की थी जबकि सोनी की हाइट सिर्फ चार फ़ीट नौ इंच।

मैं अभी भी दरवाजे की ही तरफ से झिरी से देख रहा था. सुरेश के कसे हुए लम्बे लम्बे आंड और काला तना हुआ लौड़ा देख कर मेरे बदन में भी झुरझुरी उठ गयी.

वो मेरी बेटी सोनी की चूत के मांस को हिला रहा था. तभी मेरी नज़र सोनी की चूत पर पड़ी. उसकी चूत को सुरेश ने अपने अंगूठे और उंगली से फैला रखा था.

सिर्फ पौना इंच लम्बा गुलाबी कट दिखाई दे रहा था. मेरा खुद का छोटा सा पांच इंची लण्ड इस नजारे को देखकर मस्ताने लगा.
वो भले ही बेटी मेरी थी किंतु मर्द साला मर्द ही होता है.

किसी विद्वान ने कहा है कि पुरुष को एकांत में माँ, बहन या फिर बेटी किसी के साथ नहीं रहना चाहिए क्योंकि सारी मर्यादाएं भंग हो जाती हैं. उसके लंड के लिए योनि केवल एक योनि ही होती है चाहे फिर वो किसी की भी हो.

सुरेश का गुलाबी टोपी सोनी की चूत की गर्दन में फंसा हुआ था.
करीब एक मिनट तक सुरेश ने टोपा वहीं रहने दिया. फिर धीरे से अपनी गांड हिलायी और फिर सोनी की आह निकल गयी।

उसका लण्ड सोनी की नन्हीं सी चूत में फंसा हुआ था.
सुरेश ने झटके मारे तो सोनी चिल्लाने लगी- नहीं … अंकल नहीं … अंकल आह्ह … नहीं … बहुत मोटा है … प्लीज नहीं!

सुरेश ने उसे समझाया- सोनी चुप … बस बस … हो गया है. अब और दर्द नहीं होगा.
ये कहकर सुरेश अपनी गांड हिलाने लगा.
सोनी अब चुप तो थी मगर उसके मुंह से आह आह की आवाज आने लगी.

उसके अंकल का काला कोबरा जैसा मोटा लंड उसकी चूत में जगह बनाने में लगा हुआ था.

मेरे खून का प्रवाह भी मेरे शरीर में तेज हो गया था. मैं हैरान था. मैंने कभी भी नहीं सोचा था कि सोनी इतने बड़े मर्द को सह लेगी।

अब सुरेश का लण्ड सोनी की चूत को रौंद रहा था.
उसने अपने घुटने ऊपर उठा कर मोड़ लिए थे।

सोनी की चूत का छेद करीब एक इंच खुला हुआ था. इसका मतलब साफ था कि सुरेश के लण्ड की गर्दन दबी हुई थी मगर सुरेश फिर भी सोनी को चोदने में लगा हुआ था.
सोनी बीच बीच में अपनी गांड उठा रही थी और सुरेश का लंड धीरे धीरे सोनी के अंदर जा रहा था।

सोनी ने एक बार तो अपनी दोनों जांघों से सुरेश की कमर को लपेट लिया और उसके

कन्धों को अपने हाथों से.
ऐसा सीन मैंने पहले कभी नहीं देखा था.
एक तरह से मेरी बेटी सोनी हवा में उसके बदन से लटकी हुई थी.

सुरेश बार बार उसे बिस्तर पर टिका कर धक्का मार रहा था.
बीच बीच में सोनी अंकल ... अंकल ... चिल्ला रही थी और सुरेश पर तो हवस का भूत सवार था.
सोनी की चूत से कुछ खून जैसा बह रहा था हालाँकि वो काफी कम मात्रा में था.

सुरेश का लंड इस समय लाल सरिये की तरह दिख रहा था.

सोनी ने तीन चार बार सुरेश के कंधे पर दांत गड़ा दिए मगर उसे कोई फर्क नहीं पड़ रहा था.
सुरेश की काली, चौड़ी, हृष्ट-पुष्ट गांड देख कर ही उसकी ताकत का अंदाज लगाया जा सकता था।

उसका लण्ड लाइट में ऐसे चमक रहा था जैसे कि भैंस का चमड़ा, जिस पर तेल लगा हो।
सोनी लगातार चीखती जा रही थी.
सुरेश ने सोनी के अंदर करीब छह इंच लण्ड अंदर घुसा दिया था और जो हिस्सा बाहर रह गया था उसकी नसें काफी फूल गयी थीं.

लंड का पीछे का हिस्सा ऐसे दिख रहा था जैसे किसी मोटे काले डन्डे पर कोई चमड़े की थैली फिट हो. पता नहीं कहाँ से साले के अंदर इतनी ताकत भर गयी थी।

उसने इसी पोजीशन में सोनी को करीब आठ मिनट चोदा।

फिर उसने लंड को बाहर निकाला और सोनी की चूचियां दबाने लगा. फिर उसने सोनी को

पेट के बल लिटा लिया और अब सोनी की पीठ और गांड सुरेश के सामने थी.

उसने सोनी की दोनों जांघें फैलाईं और उसके ऊपर लेट गया.

मैं काफी डर गया क्योंकि अक्सर ज्यादातर मर्द इसी पोजीशन में लड़की की गांड मारते हैं. मैंने मन में सोचा कि यार ये तो बहुत बड़ी गलती हो गयी आज!! क्यों साले से पचास हजार रूपए उधार लिए?

मगर मेरा अंदाजा गलत साबित हुआ क्योंकि सुरेश ने उसकी गांड की बजाय चूत में दोबारा से लंड घुसाया था.
फिर उसे किसी भालू की तरह अपने आगोश में जकड़ लिया और लंड घुसाकर चोदने लगा.

अब फिर से सोनी की चीखें मेरे कानों में गूंजने लगीं. वो साला उसकी कमर पर मेंढक की तरह चिपक गया था और सोनी की गोरी गोरी चिकनी जांघें नब्बे डिग्री के कोण पर फैली हुई थीं.

हालाँकि मुझे ये सब अपने मुंह से आप लोगों को नहीं बताना चाहिए क्योंकि मेरी बेटी ही चुद रही थी.
मगर उस समय तो मुझे भी उसकी चुदाई पराये मर्द से देखने में असीम आनंद आ रहा था.

सोनी उसके लंड से बचने के लिए लगभग पूरे बेड पर घड़ी की सुईं की तरह घूम रही थी.
मगर वो कम्बख्त कहाँ मानने वाला था.
बेड पर कई जगह खून लग गया था और सलवटें पड़ गयी थीं।

सुरेश की जांघों और सोनी के चूतड़ों की टकराने की आवाजें मेरे कानों में साफ आ रही थीं और मुझे ऐसा लग रहा था जैसे सुरेश मेरे गालों पर लगातार थप्पड़ मार रहा हो मगर मैं एक बेबस बाप था.

कुछ देर बाद सुरेश का लंड जब मेरी बेटी की चूत से बाहर निकला तो ऐसे लग रहा था जैसे किसी कोबरा सांप की खाल छील दी गयी हो. सोनी की चूत ने उसका लंड बाहर धकेल दिया था क्योंकि अब उसमें जान नहीं थी.

सुरेश का लंड अब सिर्फ साढ़े पांच इंच लम्बा रह गया था और उसके लंड का टोपा आधा खाल से ढका हुआ रह गया था. वो सीधा लेट गया और उसके पेट पर मोटा लंड मुड़े हुए खीरे की तरह पड़ा था.

सोनी अभी तक ऐसे ही पड़ी थी.
सुरेश ने मेरी बेटी सोनी को सीधा किया और उसकी गर्दन को अपने बाएं हाथ के डोले का सहारा देकर अपने साथ सटा लिया.

ये देखकर मुझे बहुत सुकून मिला कि चलो चोदने के बाद इसे इतना ख्याल तो आया कि सोनी को प्यार की जरूरत है.

सुरेश सोनी की जुल्फों में हाथ फ़ेर रहा था और सोनी ने अपनी बायीं जांघ को सुरेश की जांघ के ऊपर रख दिया था.
सोनी के गोरे गाल सुरेश की छाती पर टिके हुए थे.

कुछ देर बाद सुरेश फिर उठा और उसने सोनी को अपनी गोद में ऊपर दोनों हाथों पर उठा लिया.
सुरेश ने उसी हालत मे सोनी की चूची पर किस किया.

इसके बाद सुरेश ने सोनी को कुछ कहा जिसे मैं सुन नहीं पाया मगर सोनी ने कोई जवाब नहीं दिया.
सुरेश ने सोनी को बेड के किनारे पर घुटनों के बल मेंढक की तरह होकर गांड ऊपर उठाने

फिर मेरे देखते देखते सोनी की चूत से हवा निकलने जैसी आवाज हुई.
सोनी एकदम से उछली और सुरेश के लंड का गुलाबी टोपा मेरी बेटी की चूत में फिर से गायब हो गया.

इसके साथ ही सोनी ने अपने दोनों हाथों का घेरा बना कर सुरेश की बांहों के नीचे से कस लिया.
अब सुरेश के दोनों हाथों की कुहनियों पर मेरी बेटी की गोरी जांघें टिक गयीं और फिर सुरेश अपने हाथों को जोर जोर से ऊपर नीचे लाने लगा.

सोनी की जुल्फें नीचे आते समय हवा में उड़ रही थीं.
ये देख कर मैं जल्दी से अपने कमरे में आया और बीवी से बोला- यार सुन … देख वो सुरेश ने तो हमारी बेटी को लण्ड पर उठा रखा है और उसे चोद रहा है.

वो नींद में उठी और बोली- ज्यादा नाटक मत करो. अगर तुम्हारे अंदर भी इतना दम है तो टांग देना तुम भी उसको ऐसे ही।
मैं अपनी बीवी की बात सुनकर और हैरान हुआ मगर फिर वही नजारा याद आया और मैं फिर से उन दोनों की चुदाई देखने के लिए दौड़ा।

सोनी की आँखें बंद थीं. उसकी मोटी मोटी गोरी जांघें देख कर मेरा लण्ड भी फनफनाने लगा.
मैं नीचे उकड़ू बैठ कर झिरी से देखने लगा- आह … मेरी बेटी का छेद करीब दो इंच की गोलाई लिए हुए था।

वो मादरचोद सुरेश अपने मोटे काले लण्ड को बार बार उसकी गुलाबी चूत में सूड़ रहा था और सोनी चीख सी रही थी.
ये सुन्दर नजारा ज्यादा देर तक नहीं चला और सुरेश की काली मोटी जांघें थरथराने लगीं.

फिर सोनी के चूतड़ों के नीचे ठीक बीच में मुझे सिर्फ दो बड़े बड़े गुलाबजामुन दिखाई दिए. लण्ड पता नहीं कहाँ समा गया था और फिर दोनों कुछ देर तक बुत की तरह खड़े रहे.

कुछ ही सेकंड बाद सुरेश के अण्डों के आस पास सफ़ेद गाढ़ा गाढ़ा माल बहकर निकलने लगा.

करीब 1 मिनट बाद सुरेश ने सोनी को बिस्तर पर धकेल दिया.

इधर मेरे लंड को सहलाते हुए मेरी चरम सीमा आ गयी थी.
मैं तुरंत आँगन की तरफ भागा और आड़ू के पेड़ पर लण्ड लगा कर उसी को चोदने लगा.
मेरे ऊपर वासना ऐसी सवार थी कि ध्यान नहीं रहा कि लंड भी छिल जायेगा.

फिर मैंने भी पेड़ के साथ लंड रगड़ते हुए अपनी बेटी की चूत में सुरेश का लंड याद करके वहीं पर पानी छोड़ दिया.
अब मेरा बदन शांत हो गया था.

मैं वापस आकर अपनी बीवी के पास लेट गया और फिर कब मुझे नींद आ गयी पता ही नहीं चला।

इसके आगे की कहानी फिर कभी थोड़ी फुर्सत में आपको बताऊंगा.

मैंने अपनी बेटी की चुदाई अपनी आंखों के सामने देखी थी. आपको क्या लगता है कि इस स्थिति में जो कुछ भी हुआ क्या वो सही था या फिर इसका कुछ और विकल्प भी हो सकता था ?

मेरी बेटी की चुत की कहानी पर मुझे आपके सुझावों का इंतजार है. अपने कमेंट्स में जरूर बतायें या फिर मुझे मेरी ईमेल में लिखें।

pkpradip4@gmail.com

जीजा साली चुदाई की वीडियो देखें: दीदी ने बहन को अपने पति से चुदवाया

Other stories you may be interested in

ऑफिस गर्ल संग काम-लीला

ऑफिस गर्ल Xxx कहानी मेरे दफ़्तर में एक पंजाबी लड़की की है. वो बला की खूबसूरत थी. उसको मेरी मदद की जरूरत पड़ी और उससे दोस्ती हो गयी. अन्तर्वासना के सभी पाठको को मेरा नमस्कार. मेरा नाम व्योम है और […]

Full Story >>>

मेरे दोस्त ने मेरी कुंवारी बेटी को चोदा- 1

यह देसी लड़की चुदाई कहानी मेरी अपनी बेटी की है. मजबूरी के चलते मुझे एक ऐसा कदम उठाना पड़ा जिसके बाद मेरी सोच कई तरह के रिश्तों को लेकर बिल्कुल ही बदल गयी. दोस्तो, मैं आपको अपनी जिन्दगी से जुड़ी […]

Full Story >>>

विधवा की कामवासना- 2

इस कहानी में मेरा नंगा सेक्स है. मैंने अपनी अन्तर्वासना के चलते एक गैर मर्द को अपने चक्कर में लिया, उसे अपने घर बुलाकर उसके लंड से चुदाई का मजा लिया. हैलो फ्रेंड्स, मैं दीपाली पाटिल एक बार फिर से […]

Full Story >>>

अस्पताल में शादीशुदा नर्स से आशिकी और चुदाई

Xxx नर्स सेक्स कहानी मेरी पहली चुदाई की है. मेडिकल कालेज में पढ़ी के दौरान मेरी दोस्ती नर्सिंग कर रही एक मैरिड लड़की से हुई. मेरा लंड उसकी चूत में कैसे घुसा ? मेरा नाम रुद्र है और उस लड़की का […]

Full Story >>>

विधवा की कामवासना- 1

नंगी कहानी में पढ़ें कि मैं भारी जवानी में ही विधवा हो गयी और मैंने दोबारा शादी नहीं की. लेकिन शरीर को सेक्स की जरूरत थी. तो मैंने क्या किया ? नमस्कार दोस्तो, मेरा नाम दीपाली पाटिल है और मैं 35 […]

Full Story >>>